आप जे०पी० के आन्दोलन को राइट-रिएक्शनरी बोलते हो, फासिज्म बोलते हो, लेकिन फासिज्म का अर्थ भी जानते हो, जिस के पास ताकत है वही फासिस्ट बन सकता है, दूसरा नहीं बन सकता है। कल जा कर, मैंने अपने दूध वाले से कहा—अरे, तुम अपना दूध। रुपया दिया दो। वह कहने लगा—नहीं दूंगा, आप ... हो तो लो। मैं उस के साथ जबरदस्ती नहीं कर सकता। आप किसान को कहते हैं कि अनाज रखना नहीं चाहिये, अगर रखता है तो कहते हैं कि पकड़ लो। आप के हाथ में ताकत है, आप जबरदस्ती कर सकते हैं। यही कारण है—आज कपास की कीमत कम है, लेकिन कपड़े की कीमत नहीं घटी, गन्ने की कीमत कम है किसान को उचित दाम नहीं मिलता, लेकिन चीनी की कीमत घटती नहीं है। मूंगफली की कीमत कम मिलती है, लेकिन वनस्पति की कीमत कम नहीं है, उस पर से तो आपने नियन्त्रण ही हटा दिया है, चाहे जिस भाव में बेचो। इस लिये आज जो इन्फलेशन बढा है, मुद्रा-स्फिति बढी है, उस के हम जिम्मेदार नहीं हैं, आप लोग जिम्मेदार हैं। जब आर्थिक अनुशासन का पालन होगा, राजनीतिक अनुशासन का पालन होगा—तब काम होगा। बीच-बीच मे एकदम से किसी लहर के आ जाने से काम नहीं चलेगा। जैसा एक मन्त्री ने कहा—दुनिया वाले, आते हैं, फला यह करता है, फला वह है, मैं तो इन दुनियावालो में, अमरीका, रूस, चीन—इन मे कोई भेद करने को तैयार नहीं हू। अमरीका ने कई बार आप को धोखा दिया है। पिछली बार स्वर्ण सिंह जी को अमरीका ने कहा था कि आगे से शस्त्र नहीं दिये जायगे, लेकिन बाद मे पता चला कि शस्त्र आ रहे हैं

They are in the pipeline.

इस तरह से कितनी बार अमरीका ने धोखा दिया, लेकिन हम विश्वास करते चले आ रहे हैं।

श्री मधु लिमये : पाइप लाइन लम्बी है।

श्री जगन्नाथराव जोशी : राष्ट्रपति महोदय ने काश्मीर के बारे में कहा है

We wish the people of Jammu and Kashmir speedy progress as an integral part of the nation.

लेकिन एक-तिहाई जो काश्मीर चला गया, उस का क्या हुआ? क्या उस को भूल गये? हमारे देश पर आक्रमण कर के गैर-कानूनी तौर पर काश्मीर के एक तिहाई भाग पर पाकिस्तान कब्जा कर के बैठ गया तो बैठ गया—आप ने उस के लिये क्या किया। हिन्दुस्तान का विभाजन कर के ये दुनिया की बड़ी बड़ी ताकतें आज तक मजे उडा रही है—यदि इस तरह की नीति हम लोग अपनायेंगे तो उस का क्या परिणाम निकलेगा?

इस लिये, उपाध्यक्ष महोदय, मैं अधिक समय नहीं लेना चाहता, जब तक आर्थिक अनुशासन नहीं करेंगे और उस पर सही तरह से अमल नहीं करेंगे तब तक स्थिति में परिवर्तन नहीं आयेगा, आज की परिस्थिति तो उस परिस्थिति से मेल नहीं खाती है।

इन शब्दों के साथ मैं अपना भाषण समाप्त करता हू।

श्री शंकर दयाल सिंह (चतरा) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं राष्ट्रपति जी के अभिभाषण का स्वागत करते हुए, यह चाहता हू कि:—

MR DEPUTY-SPEAKER: You can resume your speech on Monday.

---

15 30 hrs

Committee on private Members' Bill and Resolutions Fiteenth Report

MR. DEPUTY-SPEAKER: We now take up Private Members' Business.

SHRI RAM DHAN (Lalganj): Sir, I beg to move:

"That this House do agree with the Fiftieth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 19th February, 1975."

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That this House do agree with the Fiftieth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 19th February, 1975."

The motion was adopted

15.31 hrs.

IRWIN AND WILLINGDON HOSPITALS, NEW DELHI, (Renaming) Bill*

SHRI RAJDEO SINGH (Jaunpur): Sir, I beg to move for leave to introdue a Bill to change the English names of Irwin and Willingdon Hospitals, New Delhi.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to change the English names of Irwin and Willingdon Hospitals, New Delhi."

The motion was adopted

SHRI RAJDEO SINGH: Sir, I Introduce the Bill.

---

15 32 hrs.

CURB ON FOREIGN MONEY BILL

SHRI RAJDEO SINGH (Jaunpur): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill to curb the use and import of foreign money for publication of publicity materials and for running of any educational, social and religious institution or organisation in the country.

MR. DEPUTY SPEAKER: The question is:

"That leave be granted to introduce a Bill to curb the use and import of foreign money for publication of publicity materials and for running of any educational, social and religious institution or organisation in the country."

The motion was adopted

SHRI RAJDEO SINGH: Sir, I introduce the Bill.

15.33 hrs.

CONSTITUTION (AMENDMENT) BILL*

(Amendment of Eighth Schedule)

SHRI PURUSHOTTAM KAKODKAR: (Panjim): Sir, I beg to move for leave to introduce a Bill further to amend the Constitution of India.

MR DEPUTY-SPEAKER: The quesiton is:

"That leave be granted to introduce a Bill—further to amend the Constitution of India."

The motion was adopted.

SHRI PURUSHOTTAM KAKODKAR: Sir, I introduce the Bill.

15.34 hrs.

DELHI DRAMATIC PERFORMANCES BILL*

श्री मधु लिमये (बांका) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं नाट्य प्रदर्शन और नाट्य कला को और अधिक अच्छे ढंग से विनियमित और

*Published in Gazette of India Extraordinary, Part II, section 2, dated 21-2-75.